Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—7907

PAPER—III

VISUAL ARTS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

VISUAL ARTS

दृश्य कलाएँ

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following paragraph carefully and answer the questions followed in 30 words each :

By the time British established their rule in India, traditional patronage to artist community had come down. The open market economy left the artisans to open competition. Society too started changing. Educational institutes were being setup. In the midst of such administrative activities of the then British government, art schools in India were established. However, it may be observed that the aim to establish art schools were to train Indian students to make craft for the British market. When there is a shift in the policy after revivalist movement, the art schools started devising their own strategies and struggled to teach students various means of creative art. Calcutta, Mumbai, Madras, Lahore had become important places. Calcutta remained the centre of revivalist whereas Mumbai grew in a different direction. With teachers like Gerald and Solomon, Sir J. J. School of Arts introduced the subject of pictorial design. This brought considerable changes in imparting art education. It helped in designing the pictorial space in untraditional manner. Many found that it offered great freedom to experiment on the pictorial surface. The high modernism of West was thus assimilated in the training curricula of art schools. In Calcutta the revivalist had considerable influence on academic structure but person like Gagendranath and Rabindranath Tagore had different ideas. Gagendranath became Indian-cubist.

The other art schools also started devising their course structure to suit the contemporary needs. What is generally observed that the imparting of training in art schools went in developing the idea of arts for arts sake. It alliniated many social realities. Some painters managed to break the syndrome of arts for arts sake, which forced many changes in the attitude of art students to create the visual tradition differently.

Institutes like Baroda, Shantiniketan; Madras, Calcutta, Lucknow, Banaras, etc., started offering training programmes for creative arts. The social and political concerns are also addressed in the art education system. Thus at present creative space offer a very liberal space to suit ones creative sensibilities. Difference in creative space need not to be resolved because pictorial signifiers have individuality and functions more at personal level but they are directed to be read by many.

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में लिखिए।

जब तक ब्रिटिश लोगों के शासन ने भारत में अपने पैर जमाए, कलाकार वर्ग का परम्परागत आश्रय समाप्त होने लगा। खुली बाजार अर्थव्यवस्था ने कलाकारों को खुली प्रतियोगिता में ला खड़ा किया। समाज में भी परिवर्तन आने लगे थे। शिक्षण संस्थाएँ स्थापित होने लगी थी। ब्रिटिश सरकार ऐसी; प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच कला केंद्र भी स्थापित

होने लगे थे। यद्यपि, ऐसा देखने मे आया की कला विद्यालय स्थापित करने का उद्देश्य भारतीय छात्रों को ब्रिटीश बाजार की माँग के अनुसार कला में प्रशिक्षित करना था। पुनर्जागरण आन्दोलन के बाद जब नीति में परिर्वतन आया; कला विद्यालयों ने अपनी नीतीयाँ निर्धारित करनी शुरु कर दी थी और छात्रों को सर्जनात्मक कला के विभिन्न माध्यमों को सिखाने के लिए संघर्ष किया। कोलकाता, मुम्बई, चैन्नई, लाहौर, इनके मुख्य स्थान थे। कोलकाता पुनर्जागरण का केंद्र रहा जबकि मुंबई में एक अलग दिशा उभर कर आई। गेराल्ड तथा सोलोमन जैसे अध्यापकों के निर्देशन में सर जे जे स्कूल आफ आर्ट में पिक्टोरियल डिजाइन शुरु हुआ। इससे कला शिक्षा में पर्याप्त परिवर्तन आए। इससे पिक्टोरियल स्पेस को अपरम्परागत ढंग से डिजाइन बनाने में मदद मिली। इससे कुछ लोगों को लगा कि इससे दृश्यात्मक स्तर पर प्रयोगों में स्वतंत्रता आई। पश्चिम की अत्यन्त आधुनिकता का कला स्कूलों के पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में समीकरण हुआ। कोलकाता में आन्दोलनकारियों का शैक्षणिक संरचना पर पर्याप्त प्रभाव था लेकिन गंगेन्द्रनाथ एवं रवीन्द्रनाथ टेगोर जैसे व्यक्तियों के विचार बिल्कुल अलग थे। गंगेन्द्रनाथ भारतीय घनाकार बने।

अन्य कला विद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों को तत्कालीन आवश्यकताओं की दृष्टि से गठित करना शुरु कर दिया। प्राय: यह देखने में आया कि कला स्कूलों में प्रशिक्षण 'कला कला के लिए' की धारणा के अनुरूप विकसित होने लगा। बहुत सी सामजिक वस्तुस्थितियों से दूरी बढ़ने लगी। कुछ कलाकार 'कला कला के लिए' के नारे को तोड़ने में सफल हुए जिसनें कला विद्यार्थियों के रूख में परिवर्तन दृश्य कला की परम्पराओं को अलग से ढंग से सर्जन करने को बल मिला।

बड़ौदा, शान्तिनिकेतन, चैन्नई, कोलकता, लखनऊ, बनारस आदि संस्थानों ने सर्जनात्मक कला में प्रशिक्षण देने के लिए कार्यक्रम शुरु किए। कला शिक्षण व्यवस्था में सामाजिक एवं राजनीति प्रश्नों का समावेश होने लगा। अत: आज सर्जनात्मक अवकाश में व्यक्ति की सर्जनात्मक संवेदनाओं के अनुरूप स्वच्छन्दता शुरु हुई। सर्जनात्मक अवकाश में विभेदों का समाधान करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि चित्रात्मक प्रतीक में वैयक्तिकता होती है और वे व्यक्ति के स्तर पर कार्य करते है परन्तु वे विभिन्न व्यक्तियों द्वारा विभिन्न रूप में समझी जाती है।

1. What was the purpose to start art education by the then British government ?

तत्कालीन ब्रिटिश सरकार का कला की शिक्षा शुरु करने में कौन सा प्रयोजन था?

2. What changes are observed in the art education training programmes ?
कला की शिक्षा के शिक्षण कार्यक्रमों में क्या परिवर्तन देखने में आ रहे है?

3. Trace the importance of pictorial design in art curriculum.
कला पाठ्यक्रमों में चित्रात्मक डिजाइन के महत्त्व को बताइए।

4. What impact 'arts for arts sake' had on art schools.
कला विद्यालयों पर 'कला कला के लिए' का क्या प्रभाव पड़ा।

5. Why do creative space is liberal ?
सर्जनात्मक अवकाश स्वच्छन्द क्यों है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is Fauvism ? Whom do you consider the pioneer of Fauvism ?

फौविज्म क्या है? आप फौविज्म का अग्रणी किसको समझते है?

7. Discuss the Kalighat Paintings.
कालीघाट पेंटिग के बारे चर्चा कीजिए।

8. Compare and contrast the folk art and classical art.
लोक कला एवं शास्त्रीय कला में विरोधात्मक तुलना कीजिए।

9. What do you understand by the term 'connoiseurship' ?
कॉन्नौइन्यौरशिप से आप क्या समझते है?

10. Define style.
शैली की व्याख्या कीजिए।

11. Describe importance of perspective in Giotto's works.

जीओत्तों के कार्य में परिदृश्य के बारे में बताइए।

12. Wood has been much used in Indian sculptures since ages. Explain with reference right upto contemporary sculpture.

भारतीय शिल्प कला में युगों से काष्ठ का प्रयोग होता है। संदर्भ सहित अब तक के शिल्प कला की व्याख्या कीजिए।

13. Is installation an accepted form of art ? Please explain in relation to Indian sculpture.

क्या प्रतिस्थापना कला में स्वीकृत रूप है? भारतीय शिल्प कला के संदर्भ में समझाएँ।

14. M. Dharmani known to be the first stone carver in modern Indian sculpture scene. Please explain his works.

भारतीय आधुनिक शिल्प कला में धर्माणि सबसे पहले पत्थर में खुदाई करने वाले माने जाते हैं। उनके कार्यों के बारे में बताइए।

15. Write about the first printing machine came to India.
भारत के पहले छापा मशीन के बारे में लिखिए।

16. Write on Rembrandt's dry-point and etching.
रेम्ब्राँ ड्राई पाइंट और एचिंग के बारे में लिखिए।

17. Write about print-maker Y. K. Shukla.
वाई.के. शुक्ला के छापा खाने के बारे में लिखिए।

18. Why is the "truth" essential in advertising.
विज्ञापन में 'सत्य' क्यों आवश्यक है?

19. Name and expain eight laws of design.

डिजाइन के आठ नियमो के नाम बताइए और उनकी व्याख्या कीजिए।

20. What is window display ? Write.

विंडो डिस्प्ले क्या है? इसके बारे मे लिखिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता में पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

DRAWING & PAINTING

ड्रॉईंग एवं पेंटिंग

21. Discuss the influence of religion in the paintings of ancient times ?

प्राचीन समय की पेंटिंगो में धर्म के प्रभाव की चर्चा कीजिए

22. Write about the art-schools during British period.

ब्रिटिश काल के कला विद्यालयों के बारे में लिखिए।

23. Comment on the works of Amrita Shergil.

अमृता शेरगिल के कार्य के बारे में टिप्पणी कीजिए।

24. Write a paragraph on 'Creativity' in visual arts.

दृश्य कला में 'सर्जनात्मकता' के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

25. Write in detail main features of Rabindranath Tagore's paintings.
रबीन्द्रनाथ टैगोर की पेंटिंगों के मुख्य लक्षणों के बारे में विस्तार से लिखिए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

ART HISTORY
कला इतिहास

21. Write historiography of content analysis of Indian Art.
भारतीय कला के विषय - विश्लेषण के इतिहास लेखन के बारे में लिखिए।

22. Write an essay on 'post-modernist' approaches in art history.
कला इतिहास में 'पोस्ट मॉडर्निस्ट' उपागम के बारे मे एक निबंध लिखिए।

23. Write the critic of the notion of spirituality of tradition.
परम्परा की अध्यात्म की धारणा के आलोचक के बारे में लिखिए।

24. How relevant are the formalistic studies in understanding artisan guilds ?
कलाकार समूह को समझने में रूपवादी अध्ययन कैसे महत्वपूर्ण है।

25. Outline the contribution of perceptual studies in the growth of art historical studies.
कला के इतिहास के अध्ययन के विकास में प्रत्यक्षण अध्ययन के योगदान को रेखांकित कीजिए

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

SCULPTURE
शिल्प - कला

21. General and essential qualities of Indian temple sculptures. - explain
भारतीय मंदिरो की शिल्प कला के सामान्य एवं विशिष्ट गुणों की व्याख्या कीजिए।

22. Bronze casting sculpture has been an ancient technique used in India. - explain how it is done, step by step using diagrams.

भारत में काँस्य की ढलाई शिल्प कला में प्राचीन तकनीक प्रयुक्त की जाती है। यह कैसे की जाती है। इसका क्रम चित्रों की सहायता से बताइए।

23. How will a sculpture differ when made in stone, wood and iron ?

पत्थर, काष्ठ एवं लोहे से बने शिल्प किस प्रकार भिन्न है?

24. Name five most famous lady sculptors and describe and compare their works.

पाँच प्रसिद्ध महिला शिल्पकारों के नाम बताइए एवं उनके कार्यों की तुलना कीजिए।

25. What is mix-media in sculpture. Describe the works of atleast five sculptors working in this method.

शिल्प कला में मिक्स मीडिया क्या है? इस विधि से कार्य करने वाले कम से कम पाँच शिल्पकारों के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

PRINT MAKING

छापा - कला

21. In print making different types of printing processes are used with different mediums and purposes - Explain.

छापा कला में विभिन्न प्रकार की छपाई प्रक्रिया में विभिन्न माध्यम एवं उद्देश्य प्रयुक्त किए जाते है। वर्णन कीजिए।

22. Wood-engraving and metal-engraving are not same. Discuss in detail processes of the same.

काष्ठ खुदाई और धातु की खुदाई एक नहीं है। उनकी प्रक्रियाओं को विस्तार से चर्चा कीजिए।

23. Write about the contribution of Laxma Gauda in print-making. Explain his techniques of print-making.

छापा कला में लक्ष्मा गौड़ के योगदान के बारे में लिखिए, उनकी छापा - कला की तकनीक का विस्तृत वर्णन कीजिए।

24. Explain the process of offset-printing in detail.

ऑफसेट – प्रिंटिंग की प्रक्रिया की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

25. Write an essay on Stanley William Hayter.

स्टैनले विलियम हैटर पर एक निबंध लिखिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

APPLIED ARTS

उपयोजित कला

21. What is digital printing ? What are its main characteristics and advantages.

डिज़िटल प्रिंटिंग क्या है? उसके मुख्य लक्षण और लाभ क्या है?

22. Why should the visualiser and the copywriter work together as team ? Discuss.

विज्युलाइज़र और कॉपी राइटर को एक टिम की तरह एक साथ क्यों काम करना चाहिए? चर्चा कीजिए।

23. Explain the terms 'Font', 'Family', 'Display Typeface and Text Typeface', 'Sans Serif' and 'Serif' with examples ?

फाँट, फैमिली, डिस्प्ले टाइपफेस् और टेक्स्टफेस, सन्स् सेरिफ और सेरिफ की उदाहरणों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

24. How has computerisation revolutionised the work of advertising agency or graphic design's creative department ? Discuss.

कंप्यूटरीकरण ने विज्ञापन संस्था अथवा ग्राफिक डिजाइन के सर्जनात्मकता में कहाँ तक क्रांति की है।

25. What are the main characteristics of the exhibition design as an advertising medium.

एक विज्ञापन के माध्यम के रूप में प्रदर्शनी डिजाइन के मुख्य लक्षण क्या हैं?

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Define surrealism. Write in details about the surrealism movement in Europe. Who were the leading painters of this movement ?

अतियथार्थवाद की व्याख्या कीजिए। यूरोप में अतियथार्थवादी आन्दोलन के बारे में विस्तार से लिखिए। इस आन्दोलन मे मुख्य कलाकार कौन थे?

OR/अथवा

(b) Describe various mediums used for creating art works.

कला कार्यों की सर्जनात्मकता के लिए प्रयुक्त विभिन्न माध्यमों की चर्चा कीजिए

OR/अथवा

(c) Has Indian contemporary sculpture 'arrived to be termed as 'Indian' sculpture ? Explain using references.

क्या भारतीय समसामयिक शिल्पकार को भारतीय शिल्पकार कहा जा सकता है? संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

OR/अथवा

(d) Write an Paul Lingram's workshop conducted in New Delhi in 1970 in respect of the development of print-making in India.

भारत में छापा कला के विकास की दृष्टि से 1970 में नई दिल्ली में आयोजित पॉल इनग्राम की कार्यशाला के बारे में लिखिए।

OR/अथवा

(e) Which are the seven elements of copy which may contribute a hard-selling advertisements ? Explain in detail with the help of appropriate examples.

प्रारूप के वे सात तत्व कौन से है जो प्रभावकारी विज्ञापन में योगदान कर सकते है? उदाहरणों की सहायता से विस्तार से व्याख्या कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....